

## शुक्र अष्टोत्तर शत नामावली

ॐ शुक्राय नमः  
ॐ शुचये नमः  
ॐ शुभगुणाय नमः  
ॐ शुभदाय नमः  
ॐ शुभलक्षणाय नमः  
ॐ शोभनाक्षाय नमः  
ॐ शुभ्रवाहाय नमः  
ॐ शुद्ध स्फटिक भास्वराय नमः  
ॐ दीनार्ति हरकाय नमः  
ॐ दैत्य गुरावे नमः ॥ 10 ॥

ॐ देवाभि वंदिताय नमः  
ॐ काव्य आसक्ताय नमः  
ॐ कामपालाय नमः  
ॐ कवये नमः  
ॐ कल्याण दायकाय नमः  
ॐ लद्रमूर्तये नमः  
ॐ लद्रगुणाय नमः  
ॐ भार्गवाय नमः  
ॐ लक्तपालनाय नमः  
ॐ भोगदाय नमः ॥ 20 ॥

ॐ लुवनाध्यक्षाय नमः  
ॐ लुक्ति मुक्ति इल प्रदाय नमः  
ॐ चारुशीलाय नमः  
ॐ चारुरूपाय नमः  
ॐ चारुचन्द्र निभाननाय नमः  
ॐ निधये नमः  
ॐ निभिल शास्त्रज्ञाय नमः  
ॐ नीतिविद्या धुरंधराय नमः

ॐ सर्वलक्षण संपन्नाय नमः  
ॐ सर्व अपद्रुण वर्जिताय नमः ॥ 30 ॥

ॐ समानाधिक निर्मुक्ताय नमः  
ॐ सकलागम पारगाय नमः  
ॐ लृगवे नमः  
ॐ भोगकराय नमः  
ॐ लूमिसुरपालन तत्पराय नमः  
ॐ मनस्विने नमः  
ॐ मानदाय नमः  
ॐ मान्याय नमः  
ॐ मायातीताय नमः  
ॐ महायशसे नमः ॥ 40 ॥

ॐ बलिप्रसन्नाय नमः  
ॐ अभयदाय नमः  
ॐ बलिने नमः  
ॐ सत्यपराक्रमाय नमः  
ॐ लवपाश परित्यागाय नमः  
ॐ बलिबन्ध विमोचकाय नमः  
ॐ घनाशयाय नमः  
ॐ घनाध्यक्ष्याय नमः  
ॐ कंबुग्रीवाय नमः  
ॐ कलाधराय नमः ॥ 50 ॥

ॐ कारुण्यरस संपूर्णाय नमः  
ॐ कल्याण गुण वर्धनाय नमः  
ॐ श्वेतांबराय नमः  
ॐ श्वेतवपुषे नमः  
ॐ चतुर्भुज समन्विताय नमः

ॐ अक्षमालाधराय नमः  
ॐ अचिन्त्याय नमः  
ॐ अक्षीणगुण भासुराय नमः  
ॐ नक्षत्रगण संचाराय नमः  
ॐ नयदाय नमः ॥ 60 ॥

ॐ नीतिमार्गदाय नमः  
ॐ वर्षप्रदाय नमः  
ॐ हृषीकेशाय नमः  
ॐ क्लेश नाशकराय नमः  
ॐ कवये नमः  
ॐ चिंतितार्थ प्रदाय नमः  
ॐ शांत मतये नमः  
ॐ चित्त समाधिकृते नमः  
ॐ आधिव्याधि हराय नमः  
ॐ भरिविक्रमाय नमः ॥ 70 ॥

ॐ पुण्यदायकाय नमः  
ॐ पुराण पुरुषाय नमः  
ॐ पूज्याय नमः  
ॐ पुराहूतादि सन्नुताय नमः  
ॐ अजेयाय नमः  
ॐ विजितारातये नमः  
ॐ विविध आभरणोर्भवलाय नमः  
ॐ कुंदपुष्प प्रतीकाशाय नमः  
ॐ मंदहासाय नमः  
ॐ महामतये नमः ॥ 80 ॥

ॐ मुक्ताङ्गल समानाभाय नमः

ॐ मुक्तिदाय नमः  
ॐ मुनिसन्नुताय नमः  
ॐ रत्नसिंहासन आश्रदाय नमः  
ॐ रथस्थाय नमः  
ॐ रजत प्रभाय नमः  
ॐ सूर्यप्राग्देश संचाराय नमः  
ॐ सुरशत्रु सुहृदे नमः  
ॐ कवये नमः  
ॐ तुला वृषभ राशीशाय नमः ॥ 90 ॥

ॐ दुर्धराय नमः  
ॐ धर्म पालकाय नमः  
ॐ भाग्यदाय नमः  
ॐ भव्य चारित्राय नमः  
ॐ भवपाश विमोचकाय नमः  
ॐ गौड देवेश्वराय नमः  
ॐ गोप्त्रे नमः  
ॐ गुणिने नमः  
ॐ गुणविभूषणाय नमः  
ॐ ज्येष्ठा नक्षत्र संभूताय नमः ॥ 100 ॥

ॐ ज्येष्ठाय नमः  
ॐ श्रेष्ठाय नमः  
ॐ शुचि स्मिताय नमः  
ॐ अपवर्ग प्रदाय नमः  
ॐ अनंताय नमः  
ॐ संतान इल दायकाय नमः  
ॐ सर्वैश्वर्य प्रदाय नमः  
ॐ सर्व गीर्वाणगण सन्नुताय नमः ॥

॥ ॐति श्री शुक्र अष्टोत्तर शत नामावली संपूर्णम् ॥